CIVIC ACTION TEAMS

Nepal Coronavirus CivActs Campaign

अंक #५४

०४।५।२०७७

Coronavirus CivActs Campaign (CCC) सँ सरकार, सञ्चार माध्यम, संघसंस्था आ आम नागरिक बिचक सूचनाके दुरी कम कएक देशभैरसं संकलन कएलगेल हल्ला, नागरिकक जिज्ञासा आ प्रश्नसभ संकलन कए तथ्य पत्ता लगाएक आम नागरिकके सूचित करैत अछि । एहिसं आम नागरिकक आवश्यकताके पहिचान करवाक साथे हल्लासभहक कोनो नकारात्मक असर पहुचावस पहिलेहि सान्दर्भिक तथ्य आम नागरिक सभमे प्रवाह कए जोखिम न्युनिकरण करैत अछि ।

कोभिड - १९ प्रभावित आप्रवासी श्रमिकके अधिकार संरक्षणके लेल जारी भेल किछ अन्तरराष्ट्रिय मापदण्डसभ

०१ यदि श्रमिकसँगे करार भंग करपरवला अवस्थामे पूर्व जानकारी आ पर्याप्त क्षतिपूर्ति देब परत ।

०२ आकस्मिक करार भंग कर परल त रोजगारदाताके श्रमिकके स्वदेश फिर्ता जायके खर्च लगाएत सहजिकरण आ सहयोग कर परत ।

०३ अपन क्षेत्राधिकारमे रहल कोनो भी आदमीके राष्ट्रियता लगाएतके आरो कोनो भी आधारमे विभेद नै कल समान स्वास्थ्य सेवा आ ईलाज कराब परत ।

०४ कोभिड - १९ के रोकथाम, प्रारम्भिक निदान आ ईलाज सम्बन्धी जानकारी आप्र(वासीके ओकरासभके बुझवला भाषा आ सहज तरिका सँ प्राप्त कर सकवला ढाँचामे उपलब्ध कराएब ।

०५ उच्च संक्रमण दर भेल देशसभ सँ फिर्ता आएल आप्रवासीसभ उपर निजी आ सार्वजनिक क्षेत्र सँ होबसकवला अवहेलना या बहिस्करण जेहन जोखिम सँ संरक्षण कर परत ।

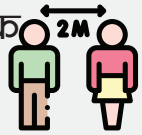

स्रोत: https://www.nhrcnepal.org/nhrc_new/doc/newsletter/

नेपाल अपडेट

कोरोनासँ निक भेल दैलेखके ८६ वर्षिया इन्द्रादेवी थापा

तस्बिर: पुनम बि.सी.

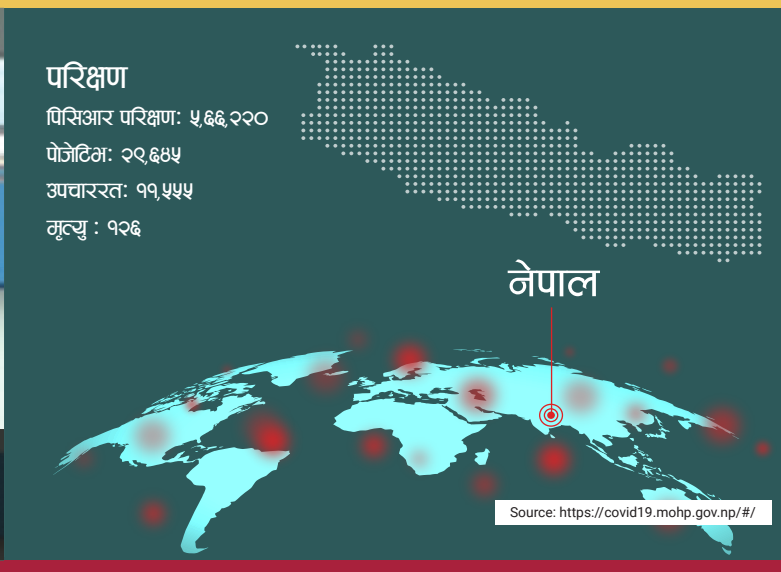

accountabilitylab NEPAL

हल्ला र तथ्य

कि काठमाण्डौ उपत्यकामे कर्फ्यु लागल छै ? आब एक सप्ताह तक बाहर निकल नै पेबै कहादन ।

काठमाण्डौ उपत्यकाके तीनु जिलाके प्रमुख जिल्ला अधिकारीद्वारा जारी कएलगेल आदेश कर्फ्यु या लकडाउन कोनो नै छै । उपत्यकामे कोभिड-१९ के संक्रमण तिव्र रुपमे फैललाके बाद, जोखिम आंकलन कलक ओकर रोकथाम तथा नियन्त्रण कर मन्त्रिपरिषदके मिति २०७७ भादव १ गतेके निर्णय अनुसार संक्रामक रोग ऐन २०२० एवं स्थानीय प्रशासन ऐन २०२८ के अधिकार प्रयोग कलक प्रमुख जिल्ला अधिकारीद्वारा देलगेल निषेधाज्ञा मात्रे छै । एकर मतलब, तोकलगेल क्षेत्रमे तोकलगेल समयावधी भितर तोकलगेल गतिविधी कर मनाही कएलगेल छै ।

स्रोत: https://daokathmandu.moha.gov.np/public/upload/1402a3666bab255e6a3f07937faf522f/files/suchana(2).pdf

कोरोनाके संक्रमण बढला संगे बहुते जगहपर जनजीवन फेर ठप्प जेहन भगेल छै । लेकिन, कतौ एकटा नियम त कतौ दोसर नियम किया ?

जिला कोभिड-१९ संकट व्यवस्थापन समिति कोभिड - १९ के संक्रमणके जोखिम विश्लेषण करैत छै । तहिना जोखिमके अवस्थाके आधारमे संक्रामक रोग ऐन २०२० अनुसार कोभिड-१९ रोकथाम, नियन्त्रण तथा ईलाजके लेल जिलाभैर या जिलाके कोनो भागमे जरुरी व्यवस्था मिलाबके अधिकार प्रमुख जिला अधिकारीके देलगेल छै । ओही अनुसार सम्बन्धित प्रमुख जिला अधिकारीके आदेश अनुसार अगल अलग जिलामे अलग अलग व्यवस्था भेल छै ।

स्रोत: https://mocit.gov.np/categorydetail/2077-bhadra-1-cabinet

काठमाण्डौमे सरकारद्वारा जारी कएलगेल नियम पालना नै करलाके कारण जोखिम बढिरहल छै । अनुगमन करवला कोनो निकाय नै छै ?

काठमाण्डौ उपत्यका भितर आ २०० टा बेसी सकृय संक्रमित रहल जिलामे चलवला सवारी साधन संचालनमे जोर बिजोर प्रणालीके पालना कराबके, आवागमनके लेल तोकलगेल सवारी साधनमात्रे चलके व्यवस्था मिलाबके, भौतिक दूरी पालना कराबके, अनिवार्य मास्कके प्रयोग कराबके लगाएतके निर्देशनके प्रभावकारी रुपमे कार्यान्वयन कराब काठमाण्डौ उपत्यका भितरके काठमाण्डौ जिलामे ५ टा, ललितपुर आ भक्तपुर जिलामे ४/४ टोली बनाक अनुगमन तथा कार्वाहीके तिव्र बनाएल गेल छै । एहि प्रकारके अनुगमन टोली परिचालन कलक साप्ताहिक कार्य प्रगती पठाब आरो जिलाके सेहो गृह मन्त्रालय निर्देशन देने छै ।

स्रोत: https://www.moha.gov.np/post/press-release-2033

कोरोनाके बिमारीके ईलाज नै करवला सब नीजि अस्पताल सरकार बन्द कर लागल छै ?

कोरोनाके बिमारीके ईलाज नै करवला सब नीजि अस्पताल सरकार बन्द कर नै लागल छै । सरकार प्रतिष्ठान तथा मेडिकल कलेजके एक तिहाई आ नीजि अस्पतालके कम्तिमे २० प्रतिशत बेड कोभिड - १९ के बिमारीके लेल छुट्याबला निर्देशन देने छै । २०% बेड कोभिडके बिमारीके लेल नै छुट्याबवला अस्पतालमे नेपाल सरकार पीसीआर परीक्षण कर देने अनुमति खारेज करब आ एक तिहाई बेड कोभिडके बिमारीके लेल छुट्याबवला प्रतिष्ठान तथा मेडिकल कलेजके प्रयोगशाला सञ्चालनके लेल अनुमती देबके सरकार निर्णय केने छै ।

स्रोत: https://covid19.mohp.gov.np/#/

WhatsApp मार्फत हमरासभके विषयमे नियमित ताजा जानकारी पाब

१. आहाके कन्ट्याक्ट लिस्टमे +2760806146 एड करु

२. उपरका कन्ट्याक्ट नम्बरमे Nepal लिख्क म्यासेज पठाउ

COVID-19

को बारेमा बुझ्न नि:शुल्क हटलाईन

viamo द्वारा प्रस्तुत

कोभिड - १९ सम्बन्धि मंगानियेमे जानकारी लेबके लेल आहाके NTC सिमकार्ड सँ ३२१०० मे डायल करु

accountabilitylab NEPAL

Open Migration

मुख्य गन्तव्य राष्ट्रमा रहेका नेपाली कामदार

साउदी अरब	कुवेत	बहराईन	कतार	युएई	ओमान	मलेसिया	दक्षिण कोरिया
३,३४,४५१ नेपाली	७१,१२३ नेपाली	२६,००० नेपाली	४,०६,२१७ नेपाली	२,२४,२०५ नेपाली	१७,०५७ नेपाली	५००,००० नेपाली	३८,८६२ नेपाली
३,०२,६८६ संक्रमित	७८,१४५ संक्रमित	४७,२५० संक्रमित	१,१५,२५६ संक्रमित	६५,३४१ संक्रमित	८३,७६२ संक्रमित	९,२३५ संक्रमित	१६,३४६ संक्रमित
१८७५ नेपाली संक्रमित	१६५० नेपाली संक्रमित	४५१ नेपाली संक्रमित	२२,५०० नेपाली संक्रमित	२४०० नेपाली संक्रमित	४५ नेपाली संक्रमित	८१ नेपाली संक्रमित	
११ मृत्यु भएका नेपाली	७ मृत्यु भएक नेपाली	३ मृत्यु भएका नेपाली	१६ मृत्यु भएका नेपाली	३० मृत्यु भएका नेपाली	१ मृत्यु भएका नेपाली		

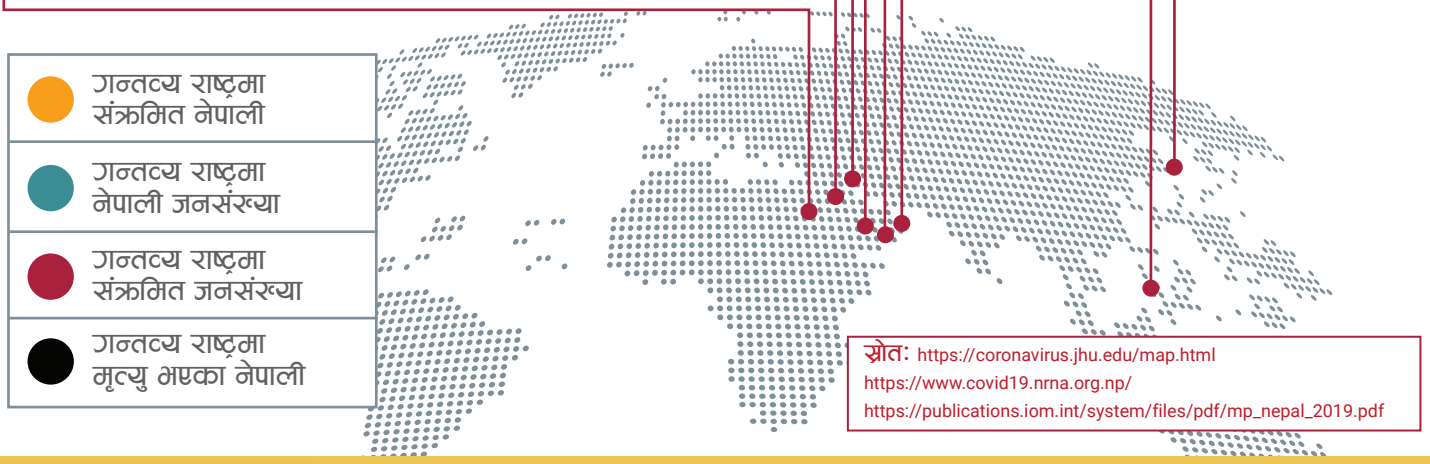

स्रोत: https://coronavirus.jhu.edu/map.html
https://www.covid19.nrna.org.np/
https://publications.iom.int/system/files/pdf/mp_nepal_2019.pdf

ShramikSanjal

नेपालमे कोरोनाके संक्रमण बढलाके बाद सार्वजनिक भेल उद्धार उडान तालिका प्रभावित

नेपाल

किछ दिन पहिले मात्रे उडान तालिका सार्वजनिक भेल एयरलाईन्ससभके उडान सेहो आब अनिश्चित समयतके लेल स्थगित कएलगेल छै । नेपालमे कोरोनाके प्रभाव बढ्ैत गेलाके बाद एक जिला सँ दोसर जिलामे जाय सेहो नै मिलतै आ एहन अवस्थामे व्यवस्थापनमे कठिनाई हेतै कहैत पूर्व निर्धारित उडानसभ स्थगित कएलगेल छै । पुन: कहिया सँ सुचारु हेतै तै विषयमे अखनतक कोनो जानकारी नै आएल छै ।

कुवेत

- कोरोनाके प्रभाव कम होईत गेलापर जनजीवन सामान्यीकरण भरहल छै । अहि क्रममे आब ट्याक्सीमे ३ कोई तक बैस सकैत छी ।
- ५०% क्षमताके साथ सब क्षेत्रसभ खुलल, लेकिन कोरोना रोकथामके उपायसभ अनिवार्य पालना कर परत ।
- भिजिट भिषामे भेलके फेमिली भिषा बनाब नै मिलवला भेल छै । जँ कोई परिवारके सदस्यके बजाब चाहत तँ सिधे फेमिली भिषा निकाईलक बजाब परत ।

www.facebook.com/shramik.sanjal सँ आहाँ प्रत्येक रविदिन, बुधदिन आ शुक्रदिन साझँमे UAE Time (8:00 PM), Qatar, KSA, Kuwait (7:00 PM) Malaysia (12 Midnight) हमरासभके लाईभ देख सुन सकैत छी ।

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

संघिय सरकार

जम्मा

तिन पटक गरेर नेपाल सरकार अर्थ मन्त्रालय मार्फत छुट्याईएको

करिब १ अर्ब ४८ करोड

कोरोना भाईरस जोखिम नियन्त्रण, रोकथाम तथा नियन्त्रण कोषमा जम्मा

करिब २ अर्ब २६ करोड

दाता

ए.डि.बि.
करिब ३० अर्ब ३३ करोड

विश्व बैंक
करिब ३ करोड ४८ लाख

आई.एम.एफ.
करिब १५ अर्ब ८८ करोड

युरोपियन युनियन
करिब ९ अर्ब ९४ करोड

खर्च

कोरोना भाईरस विरुद्धका गतिविधिमा नेपाल सरकारले गरेको खर्च स्वास्थ्य मन्त्रालयलाई निकासा

करिब ४ अर्ब १० करोड

रक्षा मन्त्रालय मार्फर्त कोरोना रोकथाम र नियन्त्रणका लागि चाहिने स्वास्थ्य उपकरण खरिदको लागि

२ अर्ब ३४ करोड निकासा

प्रदेश सरकार

प्रदेश	प्रदेश १	प्रदेश २	बागमती प्रदेश	गण्डकी प्रदेश	प्रदेश ५	कर्णाली प्रदेश	सुदुरपश्चिम प्रदेश
जम्मा रकम	करिब २९.४ करोड	करिब २६.६ करोड	करिब ४२.९ करोड	करिब १८.३ करोड	करिब १५.६ करोड	करिब २५.४ करोड	करिब ४२.५ करोड
खर्च गरिएको रकम	करिब १९.३ करोड	करिब १३.३ करोड	करिब १३.६ करोड	करिब १५.४ करोड	करिब ७.७९ करोड	करिब २३.९ करोड	करिब ३६.४ करोड

दू वर्षके तथ्यांक अनुसार तीनु तहके सरकारके बेरुजुके अवस्था

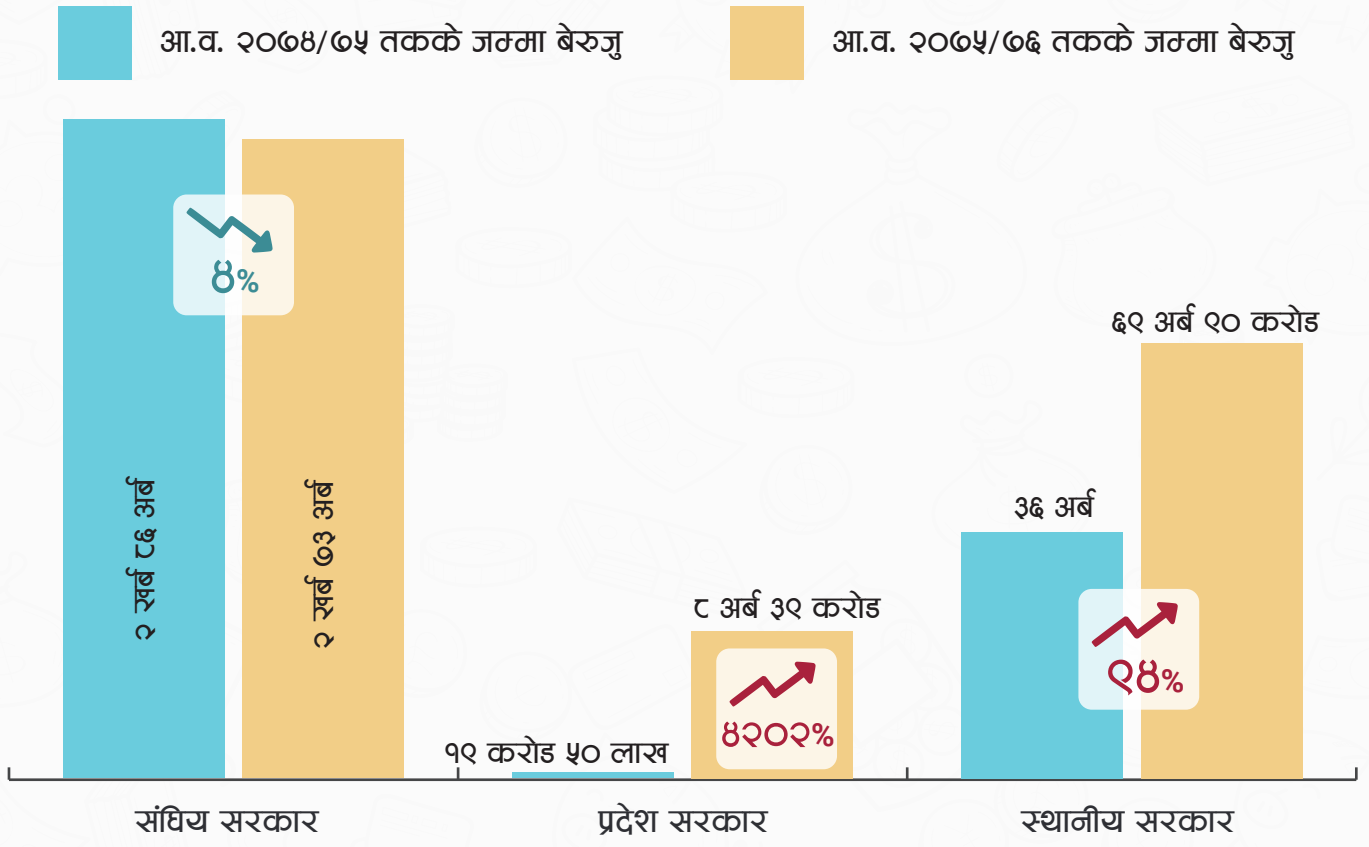

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

आ.व. २०७५/७६ मे प्रदेश अनुसार बेरुजुमे बृद्धी

आ.व. २०७४/७५ के बेरुजु

आ.व. २०७५/७६ के बेरुजु

प्रदेश १

२ करोड २१ लाख -> १ अर्ब ६७ करोड

७५ गुणा सँ बृद्धी

प्रदेश २

१६ करोड ४६ लाख -> १ अर्ब ८२ करोड

११ गुणा सँ बृद्धी

बागमती प्रदेश

१० लाख -> ९८ करोड ७३ लाख

९८७ गुणा सँ बृद्धी

गण्डकी प्रदेश

१ लाख -> १ अर्ब ६४ करोड

१६,४४७ गुणा सँ बृद्धी

प्रदेश ५

५ लाख -> ९४ करोड ६८ लाख

१,८९३ गुणा सँ बृद्धी

कर्णाली प्रदेश

२ लाख -> ५१ करोड ७० लाख

२,५८५ गुणा सँ बृद्धी

सुदुरपश्चिम प्रदेश

५७ लाख -> ८८ करोड २९ लाख

१५५ गुणा सँ बृद्धी

महालेखा परिक्षकके कार्यालयसँ नेपालके प्रदेश आ स्थानीय तहके सरकारमे उठल गम्भीर अवस्थाके उजागर केने छै । सरकारके तीनु तहमे देखाएल जम्मा बेरुजुके देखला सँ, आ.व. २०७५/७६ मे संघिय सरकार ४% सँ बेरुजु कम कर सफल भे अछि । दोसर दिस, स्थानीय सरकारके जम्मा बेरुजु ९४% सँ बढल छै, जे कि अगिला आ.व. सँ लगभग दोब्बर छै । अई सँ स्थानीय तहके कमजोर कार्यान्वयन पक्षके उजागर करैत छै । अईके ध्यान देब परत से देखाईत छै । अहुं सँ दयनिय अवस्था प्रदेश सरकारके रहल छै । आ.व. २०७५/७६ सालके बेरुजु अगिला आ.व. के बेरुजु सँ ४२ गुणा बढल छै, जे कि करिब ४२०२% छै । ई अप्रत्यासित बृद्धि छै आ एकर रोकथामके लेल तत्काल पहल केनाई जरुरी छै ।

आ.व. २०७४/७५ आ आ.व. २०७५/७६ के प्रदेशके बेरुजुके तुलनात्मक अध्ययनसँ समस्या कत छै से देखाबै छै । सब प्रदेशके बेरुजुमे भारी बृद्धी भेल छै । आ.व. २०७४/७५ मे प्रदेश नं. १ आ प्रदेश नं. २ के बेरुजु बेसी छलै । आ.व. २०७५/७६ मे दुनु प्रदेशमे समग्ररुपमे बईढक १ अर्ब ५० करोड बेरुजु पुगलै । बागमती प्रदेश, कर्णाली प्रदेश आ सुदूरपश्चिम प्रदेशमे सेहो बहुते बृद्धि भेल छै, लेकिन ई अगिला आ.व.के बेरुजुके तुलनामे कम छै । लेकिन, गण्डकी प्रदेशमे मुदा बइका अन्तर देखाईत छै । आ.व. २०७४/७५ मे अई प्रदेशमे जम्मा बेरुजु १ लाख मात्रे छलै । आ.व. २०७५/७६ मे १६००० गुण सँ बईढक १ अर्ब ६४ करोड पुगलै । एते बेसी मात्रामे बेरुजु बढल देखला सँ प्रदेशके आर्थिक व्यवस्थापनके पक्ष अत्यन्त कमजोर छै से देखाबैत छै ।

प्रदेश तथा स्थानीय सरकार गठनके प्रारम्भिक वर्षसम उच्च बेरुजु देखेनाई सँ अई तहसमे गलत नजीर बैसेने छै । एना लगातार बेसी बेरुजु देखेला सँ संघीयता कार्यान्वयनके निराशाजनक चित्र बाहर अनैत छै । जै के कारण सँ ओई सरकारसमके वितिय अनुशासन पर प्रश्न उठतै ।

नोट: हमरासमके उद्देश्य सरकारद्वारा कयलगेल बाढ्या काज आ छुट्याओलगेल बजेटके विषयमे सबके जानकारी होई आ तेकरबाद अई विषयमे नागरिक आ आरो सरोकारवालाके बीचमे बातचित भलक सरकारके पर्याप्त पृष्ठपोषण प्राप्त होई से अछि । एत प्रस्तुत विवरण पूर्ण नै छै । उपलब्ध माध्यमसँ संग्रह कलक राखलगेल अछि । आरो सही तथ्यांक संकलन कलक परिमार्जन करैत जायब । अईमे सबकोईके सहयोग क देब लेल आग्रह करैत छी ।

accountabilitylab NEPAL

फ्रन्टलाईनर्स भोईसेस्

डिल्लीनारायण पाण्डे

सुचना अधिकारी, प्रहरी नायव उपरिक्षक प्रदेश ५ ट्राफिक प्रहरी कार्यालय, बुटवल

"कोरोना नेपालतक त नै एतै जेना लगै छलै । लेकिन, जिला प्रहरी कार्यालय बैतडीके प्रमुखके रुपमे कार्यरत रहल समयमे थुनुवाके कोरोना संक्रमण पुष्टि भेलाके बाद डर लाग लागल । पीसीआर रिपोर्ट नेगेटिभ एलाके बाद धिरे धिरे डर कम भेल । जेठ २३ गते सँ बुटवलमे कार्यरत छी । बैतडीके तुलनामे बुटवलमे लापरवाही आ जिद्दीपन बेसी देखने छी । मास्क नै लगाक चलब, प्रहरीके देखक मात्रे अलग अलग होईत देखईत छै । स्वास्थ्यकर्मी, सुरक्षाकर्मी आ सञ्चारकर्मीमे जोखिम आरोके तुलनामे बेसी छै । जिम्मेवारीमे भेलाके कारण डरा क नै हेतै, स्वास्थ्य सुरक्षा सावधानी अपनाक कार्य सम्पादन करहल छी ।"

राधेश्याम चौधरी

अध्यक्ष, सरावल गाउँपालिका, नवलपरासी

"अपने पालिकामे एककोईके कोरोना संक्रमण भेलाके बाद मनमे कनि कनि डर लागल छल । अपने सेहो स्वास्थ्यकर्मी आ जनप्रतिनिधि भेलाके कारण डर हटाक पालिका भितर रहल नागरिकके सुरक्षित केनाई आ अग्रमोर्चामे खटल स्वास्थ्यकर्मीके साहस देबके विकल्प नै छलै । तत्काल विपद व्यवस्थापन समितिके बैठक राईखक रेपिड रेस्पोन्स टीम बनेलौ । भारतसँगे सिमाना जोडा(एल पालिका भेला सँ सिमामे निगरानीसँगे उच्च सतर्कता अपनेलौ । तै कारण हरियाणासँ आएल एक कोई आदमी बाहेक आरो मे संक्रमण देखाएल नै छै । २०० कोईके पीसीआर परीक्षण केने छी आ आरो ५०० कोई समूदायस्तरके आदमीके पीसीआर परीक्षण करके तैयारी छै ।"

मुन्सी प्रसाद माझी

स्वास्थ्य शाखा प्रमुख, सम्मरीमाई गाउँपालिका, रुपन्देही

"राईतदिन क्वारेन्टाईनमे रहल आदमी संगे सम्पर्कमे रहला कारण कोनो भी समय संक्रमित भलसकैत छी से सन्त्रास छलै । विकसित देशमे आदमीसभ धमाधम मईर रहल खबर आबैत काल आब एतबि हेतै तेना लगैत छलै । बादमे संक्रमितसभ निक भलक घर फिर्ता एलापर हौसला बढ् लगलै । स्थानीयसभ क्वारेन्टाईन पैसा खायके रस्ता मात्रे छै कहैत छै । ओकर उचित व्यवस्थापन केनाई आ समुदायके बुझेनाई आ सचेतना फैलेनाई आरो चूनौतिपूर्ण छै ।"

स्वास्थ्यमे कोभिड - १९ के असर

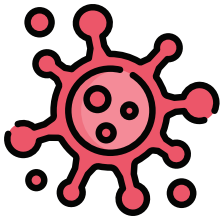

कोभिड - १९ सँ संक्रमितसँगे मृतकके संख्या बढलाके बाद काठमाण्डौ उपत्यका लगाएत आरो किछ जिलासभमे निषेधाज्ञा जारी कएलगेल छै । ई संख्या आबवला दिनमे आरो बढके अनुमान कएलगेल छै । समुदाय स्तरमे एकर फैलावटसँ आदमीमे त्रास बढल छै आ अईसँ बहुते पक्षके गम्भीर असर पारने छै ।

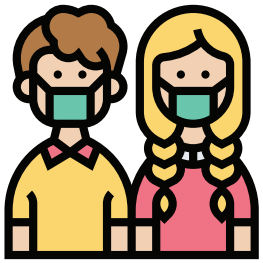

कोभिड- १९ के रोकथाम तथा ईलाजमे ध्यान केन्द्रीत करैत काल आरो स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्यासभ लेकिन बेवास्ता कएलगेल छै । विशेषत:, लकडाउन तथा निषेधाज्ञा सँ स्वास्थ्य सेवा प्रवाहके सेहो प्रभावित केने छै । लकडाउनके अवधी थपाईत गेलापर स्वास्थ्यकर्मीके अभाव, कर्मचारीके व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणके अभाव, कोभिड - १९ सँ आमन्त्रित विद्यमान अवस्थाके आत्मसात केनाई कठिन लगाएतके कारणसँ बहिरंग सेवा लगाएत सिमित स्वास्थ्य सेवा मात्रे सञ्चालन भेलै । दोसर दिस, सेवाग्राहीके सेवा लेबके तरिकामे सेहो बदलाव आईबरहल छै । स्वास्थ्य सेवा अपरिहार्य होईतो यातायात सञ्चालनमे भेल कडाई, अस्पतालसँ संक्रमण फैलके डर आ आर्थिक अभावसँ सेहो आदमीसभ स्वास्थ्य संस्था नै जारहल छै । अईके कारण सँ दीर्घ रोगके बिमारीसभ स्वास्थ्य सेवा लेबसँ बञ्चित भेल छै । चिकित्सकके भेट्परवला, नियमित ईलाज या थेरापीके तालिकामे रहल, स्क्रीनिङ, गर्भवती आ प्रसौतीके जाँच, परिवारनियोजन सेवासभ, खोप, पोषणके कार्यक्रमसभ आ आरो अत्यावश्यकिय सेवासभ सेहो प्रभाि(वत भभेल छै । लकडाउनके समयमे मातृ मृत्यु दर आ नवजात शिशुके मृत्युमे अधिक बृद्धी भेल छै । दादुरा-रुबेला अभियान अवरुद्ध भेल कारण सँ बहुते धियापुतासभ खोप लेबसँ बञ्चित होबके सम्भावना छै । लकडाउनके कारण सँ एकदिस मानसिक स्वास्थ्यके बहुते असर केने छै, त दोसर दिस अहि समयमे आत्महत्या करवलाके संख्या सेहो अप्रत्यासित रुपमे बढल छै ।

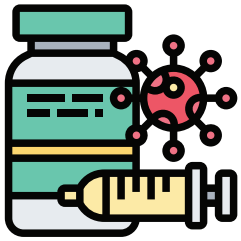

स्वास्थ्य सेवामे अवरोध आ एकर प्रभाव विश्वव्यापी छै । लेकिन, अपनासभ जका सीमित श्रोत साधनमे निहित राष्ट्रके अईसँ आरो नै बढिया सँ असर करैत छै । अई सँ आदमीके स्वास्थ्यमे बइका असर केने छै आ सरकारके स्वास्थ्य संरचना सुधारमे अखनतक केने प्रयासके सेहो प्रभावित केने छै । अखनके अवस्थामे कोभिड - १९ के रोकथाम आ ईलाजके प्राथमिकताके केन्द्रमे रखनाई जरुरी छै । साथसाथे, स्वास्थ्यके आरो पक्षमे परवला असरके ध्यान दलक स्वास्थ्य सेवाके सुनिश्चितता केनाई सेहो ओतबे महत्वपूर्ण होई छै । एकरा ध्यान नै देला सँ दोसर प्रकोप के आबके सम्भावना सेहो बेसी होई छै ।

प्रेक्षा बिमली, पब्लिक हेल्थ रिसर्चर

सही सूचना

नेपाल कोभिड प्रतिकार्यमे असफल: सुरक्षित होम आईसोलेशनके व्यवस्थापनमे सेहो असफल

प्रदेश अनुसार होम आईसोलेशनमे रहवला संक्रमितके संख्या

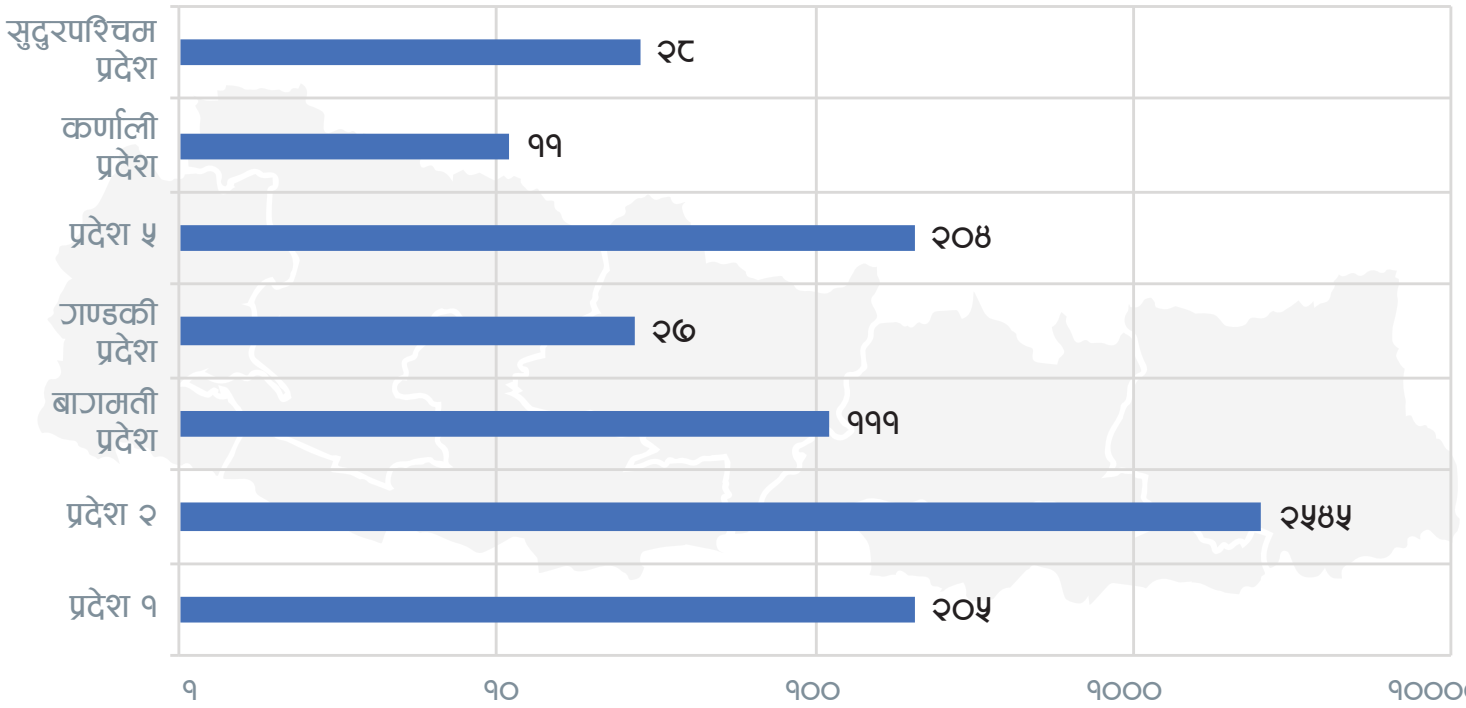

उपरके ग्राफसँ होम आईसोलेशनमे रहवला संक्रमितके संख्याके देखाबैत छै । सबसँ बेसी होम आईसोलेशनमे रहवला संक्रमितके संख्या प्रदेश नं. २ मे छै । जतँ, बागमती प्रदेश आ प्रदेश नं. ५ के अवस्था सेहो ओहने छै । जम्मा सकृय संक्रमित मे सँ २८ प्रतिशत संक्रमित होम आईसोलेशनमे रहिरहल छै । ई बइका संख्या छै । नयाँ संक्रमितके संख्या निरन्तर बईढ्रहल छै आ अस्पतालके क्षमता सेहो कम भरहल छै । अई सम्बन्धमे बनल निर्देशिका अनुसार होम आईसोलेशनमे अलगे कोठली होबके चाही, स्नान गृह आ भन्साघर होबके चाही, कम्तिमे सेहो दिनके दू बेर टेलिफोन मार्फत स्वास्थ्यकर्मीके परामर्श लेब परत कहने छै । लेकिन, होम आईसोलेशनमे रहल संक्रमितके बहुते दिनतक कोई सम्पर्क नै केने आ हुनकासभके अवस्थाके विषयमे पुछताछ नै केने कहने अछि । कि ई मात्रे जनशक्तिके अभावमे भेल छै या लापरवाही छै ? कि वास्तवमे होम आईसोलेशन सुरक्षित छै ?

स्रोत: HEOC, MoHP, SitRep

DISCLAIMER

एहि अंकमे समेटलगेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतरास संस्था तथा आदमी, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेब पेज, सामाजिक सञ्जाल, ७ टा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स (समुदायमे आगु आबिक काज करवलासभ) आ सिभिक एक्सन टिम (नागरिक कार्य समूह) द्वारा अहि अगस्त महिना भितर २००० सँ बेसी आदमीसंगेके बातचितसँ संकलन कएलगेल अछि । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दलक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ चयन कएलगेल अछि । अई अंकमे समेटलगेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मितितक सत्य अछि ।

Coronavirus CivActs Campaign is brought to you by **Accountability Lab Nepal**.

accountabilitylab communities

@CivicActionTeams @civacts @CivActs

CivActs | Email: civactsnp@accountabilitylab.org | Phone: 9851203219